14/5/24 प्रार्थिया एवं वकील प्रार्थिया उप० नहीं बार-बार आवाज दिलायी गई किन्तु कोई उप० नहीं आया। चूंकि दावा प्रार्थिया अदम हाजरी एवं अदम पैरवी में खारिज हो गया है। ऐसी स्थिति में प्रा० पत्र प्रार्थिया सारहीन होने के कारण खारिज किया जाता है। एवं नं० वादे P.I खारिज किया जाता है। पत्रावली दाखिल दफ्तर हो।

उपखण्ड अधिकारी
पहाड़ी (डीग)

Scanned with OKEN Scanner